

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No.2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. • Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755



Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

ॐ
आज की समस्या

पोषिमा
12/9/11

सभी पुण्य आत्माओं मेरा नमस्कार -
आज के वर्तमान स्थिति
को देखते हुये ऐसा लगता है की "सुरक्षितता" की
समस्या ही मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है। अब
अगर महत्वपूर्ण स्थानों पर भी सुरक्षितता न रह
गयी हो तो सामान्य स्थानों का तो प्रश्न ही नहीं है।
अब तो लगता है की राक ही मार्ग बाकी रह गया
है, वह है प्रत्येक मनुष्य ने अपनी सुरक्षा स्वयंम
ही करना उपयुक्त जान पड़ता है, और यह राकमार्ग
मार्ग ही अपने हाथ मे रह गया है। जिस प्रकार
से राक लकड़ी को तोटना आसान होता है, लेकिन
लकड़ी के गट्टे को तोटना कठिन होता है, ठीक
वैसे ही राक मनुष्य को मारना आसान है, लेकिन
मनुष्य के राक बड़े समुह को मारना कठिन है,
याने अकेला मनुष्य असुरक्षित हो सकता है,
लेकिन सामूहिकता के साथ मनुष्य असुरक्षित

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

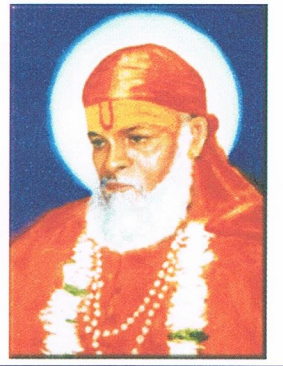
International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No.2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. • Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com



(२)

नहीं होता क्योंकि उसे सामुहिकता का "दुरक्षा कवच" प्राप्त होता है। अब प्रश्न है सदैव सभी स्थानों पर सामुहिकता के साथ कैसे रहा जा सकता है। और वह कैसे संभव है।

वह संभव है, चित्त से रहा जा सकता है। भले ही आप कहीं भी अकेले हो लेकिन आप अपने आप को कभी अकेला न समझे। क्योंकि वास्तव में आप कभी कहीं भी अकेले नहीं होते हैं। सदैव मैं आपके साथ होता हूँ। मैं आप सदैव मेरे साथ नहीं होते हैं। आप मेरे साथ रहिये तो आप महसूस करेंगे कि आप अकेले नहीं हैं। और मैं आपके साथ हूँ। या नहीं यह अंका मत करिये तुरन्त अपने हाथों पर मेरे "चैतन्य" को अनुभव कर के देखें तो आप को भी प्रमाण साक्ष्य मिल जायेगा - कि मैं आपके साथ हूँ। और मैं किसी क्षण भी अकेला नहीं होता - मेरे साथ लाखों पवित्र

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

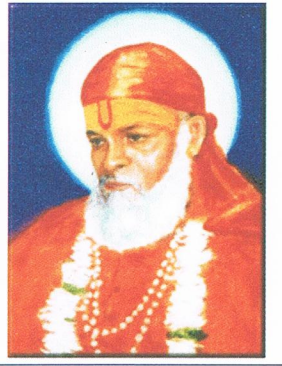
Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No.2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755



Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

(3)

आत्मारो होता है। मैं सदैव लारवो पर्वज आत्माओं के साथ होता हूँ। केवल "गलत" और "बुरे कार्य" मत करो क्योंकि तब मैं आपके साथ नहीं होता। क्योंकि ऐसे कार्य आप मुझे छोड़कर ही कर पाते हैं।

नियमित सेंटर पर जा कर सामुहिक ध्यान का "अभ्यास" ही इस असुरक्षितता के वातावरण में काम आ सकता है। आप सामुहिकता के छड़ी में सदैव रहे। तो होने वाली आपस की "बरसात" से सुरक्षित रहोगे। इसी लीये सामुहिकता की छड़ी में आज तक लारवो साधक सुरक्षित हैं।

बस नियमित ध्यान कर आप साधनारत साधक बने रहे और क्या? आप सदैव लम्बी ध्यानो पर सुरक्षित रहे यही प्रभु से प्रार्थना है।

आपका

बाबा स्वामी

12/9/2011